

vlk/kj.k

EXTRAORDINARY

HkksII—[k.M 3—mi&[k.M(i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

izkf/dkj ls izdkf'kr

PUBLISHED BY AUTHORITY

la-802] ubZ fnYyh] eaxyokj] flrEcj 26] 2017@vkl'ou 4] 1939 No. 802] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 26, 2017/ASVINA 4, 1939

+णालयां ह" जो समृ/ जैविविवधता का आधार ह" तथा हमारी समृ/ सां(कृतिक िवरासत का भाग होने के कारण कई मह वपूण मनोरंजक, सामाजिक और सां(कृतिक कायकलाप3 का समथन करते 5ए जल भंडारण, जल शि/करण, बाढ़ अ पीकरण, अपरदन िनयं;ण, भूजल का पुनःभरण, सू= म जलवायु का िविनयमन, द यभूम के सौ? दय बौध को बढ़ाना जैसी पारि(थितक* +णाली सेवा@ क* A यापक रBज +दान करता है।अपिशG ट3 का िनपटान), जल िवाान संबंधीपरवतन (जल अपनयन और अंतवाह तथा बिहवाह परवतन) के मायम से भूम सुधार और अवमण के कारण गंभीर Kप से संकट(थि(थितमBह" और उनके +ाकृतिकसंसाधन3 के अ यिधक दोहन के परणाम(वKप जैव िविवधता क* हान और आभूम Lारा उपलM ध पारि(थितक* +णाली सेवा@ मB िवघटन 5आ है;क वह +ाकृतिक पयावरण क*, िजसके अंतगत वन, झील, नदी और व? यजीव ह", रTा करे और उसका संवधन करे तथा +िणमा; के +ित दयाभाव रखे; और,अधिकतर आभूम, अपवहन और भरण(थान, +दूषण (घरेलू और औEिंगकबिहःFाव का िन(सारण, ठोस और,संिवधान के अनु\$ छेद 51क के खंड (छ) मB यह बताया गया है क भारत के + येक नागरक का यह कतA य होगा (अ).—आभूम, जो जलीय च का अ याव यक भाग ह", उ\$ चतर उ पादक पारि(थितक* पयावरण, वन और जलवायु परवतननई दली, 26 िसत बर, 2017 अधिसूचना

आभूम के िलए एक िविनयामक तं; (थिपत करने क* आव यकता पर बल दया गया है, िजससे उनक* ऐसीपारि(थितक* िनयम, 2010, +किशत कए ह";आथक लाभ +दान कर सकता है तथा के? िय सरकार िविभ ? न Tे;3 के िलए िवकास आयोजना तथा िनणय लेने क* +या मB आभूम जैविविवधता तथा पार+णाली सेवा@ क* पूण gृखला को मुh य धारा मB लाने के िलए +ितब/ है;क याण मB आभूमपारि(थितक* +णाली सेवा@ और जैव िविवधता संबंधी मू य3 पर िवचार करने और इस बात को सांान मB लेने क* आव यकता है क आभूम पारि(थितक* +णाली के दो मुh य पारि(थितक* घटक भूम और जल, भारतीय संिवधान के अनुसार राद य के िवषय के Kप मB सूचीब/ ह"; िनयम, 2010 को अधिांत करना आव यक समझा है; और धारा 3 क* उपधारा (3) के साथ पठत धारा 25 Lारा+दकशिbय3 का +योग करते 5एजनसाधारण क* जानकारी के िलए, िजनके उससे +भावत होने क* संभावना है, सा.का.िन. 385 (अ) तारीख 31 माच, 2016 Lारा आभूम (संरTण और +बंधन) िनयम, 2016 का +ाKप +किशत कया था; और यह सूचना दी गई थीक कB िय सरकार Lारा उc त +ाKप िनयम3 पर, उस तारीख से, िजसको इस राजप; मB यथा+किशत इस अधिसूचना क* +ितयां जनता को उपलM ध करा दी जाती है, साठ दन क* अविध क* समिम त के प चात् िवचार कया जाएगा; Tे;3 राद य3 और इसके संगठन3, A यिbय3 और िसिवल समाज संगठन3 से सुझाव तथा आTेप +ाIm त 5ए ह"; और राद य Tे; +शासन3 के परामश से के? िय सरकार Lारा स यक Kप से िवचार कया गया; के खंड (v) और उप-धारा (3) के साथ पठत धारा 25 और धारा 23 Lारा +द त शिbय3 का +योग करते 5ए तथा आभूम (संरTण और +बंधन) िनयम, 2010 को उन बात3 के िसवाय अधिांत करते 5ए, िज? हB ऐसे अधिमण से पूव कया गया था या करने का लोप कया गया था, आभूम के संरTण और +बंधन के िलए िन निलिखत िनयम बनाती है, अथात्:— 1. संि(1) इन िनयम3 का संिTp नाम आभूम (संरTण और +बंध) िनयम, 2017 है। (2) ये राजप;मB+काशनक* तारीख को +वृह3गे। (1) इन िनयम3मB, जब तक कसंदभ से अ?यथाअपिट न हो,— (क) “अधिनयम” से पयावरण (संरTण) अधिनयम, 1986 अभ+ेत है; (ख) “+िधकरण” से यथा(थितराद य आभूम +िधकरण या संघ राद य Tे; आभूम +िधकरण, अभ+ेत है; (ग) “सिमित” से िनयम 6 मB िनqदG ट राG eीय आभूम सिमित अभ+ेत है; (घ) “पारि(थितक*य गुण” से पारि(थितक* +णाली घटक3, +या@ तथा सेवा@ का ऐसा संकलन अभ+ेत है

(च) “रामसर अभिसमय” से 1971 मB ईरान के रामसर मBह(ताT'रतआभूम संबंधी अभिसमय अभि+ेत है; और के? ीय सरकार ने तारीख 4 दसंबर, 2010 क* सं.सा.का.िन.951(अ) Lारा आभूम (संरTण और +बंधन) और आभूम कासंरTण और यिुयु त उपयोग राद य और राG eीय अथA यव(था को सारवान + यT और अ+ यT और,रादयसरकारB और संघ राद य Tे; +शासन3 को इसी +कार से अपने िवकासा मक कायम3 तथा आथक और के? ीय सरकार ने देश मB आभूमय3 के +भावी संरTण और +बंधन के िलए आभूम (संरTण और +बंधन) और,अब, कB ीय सरकार ने पयावरण (संरTण) अधिनयम, 1986 क* उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v)

और, के? ीय सरकार को +ाKप आभूम (संरTण और +बंधन) िनयम, 2016 के संबंध मB राद य सरकार3, संघ राद यऔर, ऐसे आTेप3 और सुझाव3 पर, जो ऊपर डिलिखत +ाKप िनयम3 के संबंध मB+ाIm त 5ए ह", पर राद य सरकार3 अतः अब, के? ी य सरकार, पयावरण (संरTण) अधिनयम, 1986 क* धारा 3 क* उप-धारा (1) और उप-धारा (2) संि नामपरभाषाएं.—

(ड) “एक*कृत +बंधन योजना” से कोई ऐसा द(तावेज अभि+ेत है िजसमB आभूम का यिुयु त उपयोग के िलए

(छ) "आभूम से कोई Tे; या क\$ छ पंक, पीटभूम या जल; +ाकृतक या कृि;म, (थायी या अ(थायी, जल जो कायनीतय3 और कारवाइय3 का वणन किया गया है तथा इस योजना मB (थल +बंधन के उsे य; उsे य3 को +ाIm त करने के िलए अपिटत +बंधन कारवाइयां, वे घटक, जो िविभ? न (थल िविशG टता@ को +भािवत करते ह", या +भािवत कर सकते ह"; पारि(थितक*य (वKप मB प'रवतन3 का पता लगाने के िलए और +बंधन क* +भािवताके मापन के िलए अपिटत मानीटरी और काया? वयन +बंधन काया? वयन के िलए संसाधन सिमित ह"; जो आभूमय3 क* िविशG टता िचि;त करता है;

ठहरा है या बहते, ताजे, खारे या लवणीय, िजसके अंतगत समी जल का िजसक* गहराई d वार क* ि(थित छह मीटर से अधिक क* न हो अभि+ेत है, परंतु इसमB नदी जल माग, धान के खेत, पेयजल +योजनाथ िविशG टKप से मानव िनफ्त जल िनकाय/जलाशय, म सयपालन, नमक उ पादन और uसचाई +योजन3 के िलए िविशG टKप से िनफ्त संरचनाएं सिमित नहव ह";

¹Hkkx Iµ[k.M 3(i)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 3

(vii)

3. िनयम का लागू होना.—ये िनयम िन निलिखत आभूमय3 या आभूम प'रसर3 को लागू ह3गे, अथात्:-

1972, वन (संरTण) अधिनयम, 1980, राद य वन अधिनयम तथा तटीय िविनयमन जोन अधिसूचना, 2011 के अंतगत (2)

5. आभूम िधकरण.—(1) के? ीय सरकार, + येक राद य मB राद य आभूम +िधकरण का गठन करेगी िजसमB

(vi)

(ज) "आभूम प'रसर" से दो या दो से अधिक पारि(थितक*य और जलीय समीप(थ आभूमयां तथा िजनमB उनसे (झ) "आभूमय3 का यिुयु त उपयोग" से सतत िवकास के संदभ मB पार+णाली टिwकोण के माJ यम से +ाIm त(ञ) "+भािवत जोन" से आभूम या आभूम प'रसर के आवाह-Tे; का वह भाग िजस पर िवकासा मक (2) उन सभी शM द3 और पद3 के, जो इन िनयम3 मB +यु त ह" और प'रभाषत नहव है, यकतु अधिनयम मB (क) रामसर अभिसमय के अधीन ‘अंतरराG eीय मह व क* आभूम’ के Kप मB वगzकृत आभूमयां;

परंतु के? ीय सरकार +िधकरण क* िसफारश पर कसी कायकलाप के िवलोपन के िलए राद य सरकार या संघ राद य सरकार के पयावरण/वन िवभाग का भारसाधक मं;ी या आभूम के िवषय से संबंधित काय कर रहे भारसाधक मं;ी - अJ याT; राद य का मुh य सिचव या समतु य अपर मुh य सिचव – उपाJ याT; पयावरण िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; वन िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; शहरी िवकास िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; ामीण िवकास िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; जल संसाधन िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य;

(iv)

(vi)

(v)

जुड़े नाले/विहकाएं समिलत हो सकती ह", अभि+ेत ह"; पारि(थितक*य गुण3 का रख-रखाव अभि+ेत है;कायकलाप3 के कारण पार+णाली ढांचे, तथा पार+णाली सेवा@ मB +ितकूल परवतन पड़ता है। परभाषत है, वही अथ ह3गे जो उनके उस अधिनयम मB ह"।

कसी भी क(म के अितमण सहत गैर-आभूम उपयोग हेतु परवतन; कसी उEोग को (थिपत करना और िवEमान उEोग3 का िव(तार करना; िनमाण और िवJ वंस अपिशG ट +बंधन िनयम, 2016 के अंतगत आने वाले िनमाण और िवJ वंस अपिशG टका िविनमाण या हथालन या भंडारण या िनपटान; परसंकटमय रसायन के िविनमाण, भंडारण और आयात िनयम, 1989 या परसंकटमय सू= म जीव3 आनुवंिशिक Kप से िनऱमत जीव3 या कोशका@ का उपयोग, आयात, िनयात और भंडारण संबंधी िनयम, 1989 या परसंकटमयअपिशG ट (+बंधन, हथालन और सीमापारीय संचलन) िनयम 2008 के अंतगत आने वाले परसंकटमय पदाथ; ई-अपिशG ट (+बंधन) िनयम, 2016 के अंतगत आने वाला ई-अपिशG ट; ठोस अपिशG ट का पाटन; िन(सारण; कसी (थायी +कृत का कसी िनमाण िसवाय नाव घाट3 के, पचास मीटर के भीतर इन िनयम3 के +ारंभ क* तारीख से िपछले दस वर्ष{ मB +ित बाढ़ के औसतन उ\$ च (तर से गणना क* जाएगी; और अवैध िशकार। उEोग3, शहर3, क(ब3, गांव3 और अ? य मानव बि(तय3 से अशोधत अपिशG ट और बिहFाव3 का

(viii)

(xviii)

(xvii)

(xiii)

(xiv)

(xvi)

(xii)

(xv)

(2)

(vi) (vii) (viii) (ix) (x) (xi) (xii) (xiii) (xiv) (xv) (xvi) (xvii) (3) (4) (क) (ख) राद य आभूम +िधकरण या संघ राद य Tे; आभूम +िधकरण, तीन से अधिक, यद अपिात ह3, अ? य सद(य3, का सह-चयन, कर सकB गे। राद य आभूम +िधकरण या संघ राद य Tे; आभूम +िधकरण, िन निलिखत शिबय3 का +योग करेगा और िन निलिखत कृ य3 का पालन करेगा, अथात् :—इन िनयम3 के +काशन क* तारीख से तीन मास के भीतर राद य या संघ राद य Tे; क* सभी आभूमय3 क* सूची तैयार करना; इन िनयम3 के +काशन क* तारीख से छह मास के भीतर अधिसूचित क* जाने वाली आभूमय3 क* सूची तैयार करना; अ? य सुसंगत राद य अधिनयम3 के अधीन तैयार/अधिसूचित आभूमय3 क* कसी िवEमान सूची को सांान मB लेना; म (यक* िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; ँसचाई और बाढ़ िनयं;ण िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; पयटन िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; राज(व िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; िनदेशक, राद य सुदूर संवेदी के? – पदेन सद(य; मुह य व? यजीव वाडन – पदेन सद(य; सद(य सिचव, राद य जैविविवधता बोड– पदेन सद(य; सद(य सिचव, राद य +दूषण िनयं;ण बोड– पदेन सद(य; पयावरण, वन और जलवायु परवतन मं;ालय के Tे;ीय कायालय का अपर +धान मुह य संराक – पदेन सद(य; आभूम पारि(थितक*, जल िवाान, म (यक*, भू-ट य योजना और सामाजिक-आथक Tे; मB से + येक का एक िवशेषा िजसे राद य सरकार Lारा नामिनदG ट कया जाए; और पयावरण/वन िवभाग या आभूमय3 से संबिधत िवभाग मB अपर सिचव/ संयुc त सिचव/िनिदेशक - सद(य सिचव। के? िय सरकार, + येक राद य Tे; के िलए संघ राद य Tे; आभूम +िधकरण का गठन करेगी िजसमB िन निलिखत सद(य ह3गे, अथात्:- संघ राद य Tे; का +शासक या मुह य सिचव – अJ याT; पयावरण िवभाग का भारसाधक सिचव – उपाJ याT; वन िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; शहरी िवकास िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; ामीण िवकास िवभाग का भारसाधक सिचव – पदेन सद(य; जल संसाधन िवभाग का भारसाधक सिचव - पदेन सद(य; म (यक* िवभाग का भारसाधक सिचव - पदेन सद(य; ँसचाई और बाढ़ िनयं;ण िवभाग

का भारसाधक सिचव - पदेन सद(य; पयटन िवभाग का भारसाधक सिचव - पदेन सद(य; राज(व िवभाग का भारसाधक सिचव - पदेन सद(य; िनदेशक, सुदूर संवेदी के? - पदेन सद(य; सद(य सिचव, संघ राद य Tे; +दूषण िनयं;ण सिमित - पदेन सद(य; सद(य सिचव, संघ राद य Tे; जैव-विवधता बोड- पदेन सद(य; मुh य व? यजीव वाडन - पदेन सद(य; पयावरण, वन और जलवायु परवतन मंालय के Tे;ीय कार्यालय के अपर +धान मुh य वन संराTक - पदेन सद(य; आभूम पारि(थितक*, जल-विान, म (यक*, भू-ट य योजना और सामाजक-आथक Tे;3 से एक-एक िवशेषा िजसे संघ राद य Tे; +शासन Lारा नामिनqदG ट कया जाए; और पयावरण/वन िवभाग या आभूम हथालन िवभाग मB अपर सिचव/संयुc त सिचव/िनदेशक - सद(य सिचव। (ix)

(x)

(xi)

'Hkx Πμ[k.M 3(i)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 5

(ग) (घ) (ङ) (च) (छ)

(ज) (झ) (ञ) (ट) (ठ) (ड) (ढ) (ण) (त) (5) (6)

(7) (8) (9) (क) (ख) जनता Lारा +िधकरण को क* ग िशकायत3 क* सुनवाई करने और उ? हB अिषित करने के िलए एक इन िनयम3 के अधीन िविनयमन हेतु उनके संiTm त द(तावेज़3 के आधार पर अभिात आभूमय3 क* सं(तित करना; इन िनयम3 के +काशन क* तारीख से एक वष क* अविध के भीतर सभी आभूमय3 क* A यापक िडज़ीटल सूची तैयार करना और उc त +योजन से के? िय सरकार Lारा िवकिसत क* जाने वाले डेडीके'टड बेब पोटल पर इसे अपलोड करना; और इस सूची को + येक दस वष मB अEtन कया जाएगा; िविनqदG ट आभूमय3 के िलए +ितिष/कायकलाप3 क* सूची मB बढ़ोतरी, यद कोई हो, क* िसफारश करना;आभूमय3 क* अधिकारता के भीतर उनके संराTण और यिुयुc त उपयोग के िलए कायनीतयां पारिभाषित करना; यद पारि(थितक +णाली के कायकलाप3 (जल भ डारण, भू-जल संभरण, बाढ़-+ितरोधक जैसे) और मूय(मनोरंजन और सां(कृतक जैसे) का अनुराTण कया जाता है या उसमB अभिवि/क* जाती है; तो इन पारि(थितक +णाली को +बंिधत करने के िलए एक िस/ांत, जो संराTण के साथ संगत वहनीय उपयोग3 को समाविशत करता है (जैसे जीवन-निवाह (तर हेतु मछली पकड़ना या जलीय वन(पित क* पैदावार करना) का िववेकपूर्ण उपयोग करना; + येक अधिसूचित आभूमय3 के िलए एक*कृत +बंधन योजना का पुनःवलोकन करना (के? िय सरकार के सम? वयन से सीमा-पारीय आभूमय3 सहित), और इन योजना@ के भीतर आभूमय3, जो पारि(थितक*य (वKप के अनुकूल ह", के पार परक उपयोग3 को जारी रखना और उसमB समथन देने पर िवचार करना;उन मामल3 मB, जहां अधिसूचित आभूमय3 या आभूम परसर3 क* सीमा के भीतर भूम Tे; का िनजी भू-धारण अधिकार है, उ? हB बढ़ावा देने के िलए कायकलाप3 के माJ यम से पारि(थितक*य (वKप को बनाये रखने के िलए कायतं;3 हेतु िसफारश करना; िवEमान राद य/संघ राद य Tे; (तर क* िवकास योजना@ और कायम3 के साथ +बंध योजना के काया? वयन के अभिसरण के िलए कायतं;3 क* पहचान करना; इन िनयम3 और अ? य सुसंगत अधिनयम3, िनयम3 और िविनयम3 का +वतन सिुनित करना और अ/-वाषक आधार पर (+ येक कैले? डर वष के जून और दस बर पर) एक सूचना तं; के माJ यम से ऐसी अधिसूचित आभूमय3 क* ि(थित पर संबंधित राद य सरकार या संघ राद य Tे; +शासन या के? िय सरकार को सूचना देना; िविभ? न संगत िवभाग3 और अ? य संबंधित अभिकरण3 के माJ यम से यिुयुc त उपयोग के िस/ांत के आधार पर एक*कृत +बंधन योजना@ के या? वयन का सम? वयन करना; राद य या संघ राद य Tे; +शासन के भीतर सभी आभूम िविनqदG ट +िधकरण3 के िलए नोडल +िधकरण के Kप मB काय करना; संबंधित या? वयन अभिकरण3 को आभूमय3 के संराTण और सतत +बंधन हेतु आव यक िनदेश जारी करना; आभूमय3 के मू य3 और याकलाप3 के संबंध मB पणधारय3 और (थानीय समुदाय3 के बीच जागKकता के संवधन हेतु उपाय करना; और (व+ेरणा से या राद य सरकार या संघ राद य Tे; +शासन Lारा यथिनqदG ट अ? य मामले पर सलाह देना। अधिसूचित आभूमय3 के भीतर िविनयमित और अनुांत कए जाने वाले कायकलाप3 और उनके +भाव Tे; क* िव(तृत सूची िवकिसत करना;

राद य सरकार या संघ राद य Tे; +शासन का संबंधित िवभाग, +िधकरण के िलए नोडल िवभाग और सिचवालय के Kप मB सभी आव यक सहायता +दान करेगा और काय करेगा। +िधकरण, इन िनयम3 के +काशन के नM बे दन के भीतर :

उप-नियम (6) मB िनदृढG ट सिमितयां अपने कृ य3 के िनG पादन के िलए + येक ितमाही मB कम से कम एक बार बैठक करBगी । +िधकरण क* वष मB कम से कम तीन बार बैठक होगी। राद य सरकार या संघ राद य Tे; +शासन Lारा नामिनदृढG ट +िधकरण के गैर-अधिकारक सद(य3 का कायकाल अधिकतम तीन वष क* अविध का होगा। संTm त द(तावेज़3 और +बंध योजना@ का पुनःवलोकन करने तथा आभूम +िधकरण Lारा िनदृढG टकसी तकनीक* िवषय पर सलाह देने के िलए एक तकनीक* सिमित का, औरकायतं; उपलM ध कराने हेतु चार सद(य3 से िमलकर बनी एक िशकायत सिमित का गठन करेगा।

6.

(2) (3) (ix) (x) (xi) (xii) (xiii) (xiv) (xv) (xvi) (xvii) (xviii) आ भूम पारि(थितक*, जल िवाान, म (यक* Tे; भू-द य योजना और सामाजिक अथशा(; के Tे;3 मB (xix) राG eीय आभूम सिमित, यद अपिात हो, तीन से अनिधक अ? य सद(य3 को सहयोजत कर सकेगी। िन निलिखत सद(य ह3गे, अथात् :— (i) (ii) (iii) (iv) (v) (vi) (vii) (viii)

राG eीय आभूम सिमित िन निलिखत कृ य3 का पालन करेगी, अथात्:— (क) (ख) (ग) (घ) (ङ.) (च) (छ) (ज) (झ) य आभूम सिमित का गठन.—(1) के? ीय सरकार, एक राG eीय आभूम सिमित का गठन करेगी, िजसमB सिचव, पयावरण, वन और जलवायु परवतन मं;ालय, भारत सरकार – अJ याT; आभूम संबंधी काय देखरहे िवशेष सिचव या अपर सिचव, पयावरण, वन और जलवायु परवतन मं;ालय, भारत सरकार – उपाJ याT; अपर महानदेशक, व? यजीव, पयावरण, वन और जलवायु परवतन मं;ालय, भारत सरकार – पदेन सद(य; आभूमय3 संबंधी काय देख रहे सलाहकार या संयुक् त सिचव, पयावरण, वन और जलवायु परवतन मं;ालय – पदेन सद(य; संयुc त सिचव, पयटन मं;ालय, भारत सरकार – पदेन सद(य; संयुc त सिचव, जल संसाधन, नदी िवकास और गंगा संरTण मं;ालय, भारत सरकार – पदेन सद(य; संयुc त सिचव, कृष और कसान क याण मं;ालय, भारत सरकार – पदेन सद(य; संयुc त सिचव, सामाजिक ? याय और अधिकारता मं;ालय भारत सरकार – पदेन सद(य; संयुc त सिचव, शहरी िवकास मं;ालय, भारत सरकार - पदेन सद(य; संयुc त सिचव,)ामीण िवकास मं;ालय, भारत सरकार - पदेन सद(य; अJ याT, के? ीय +दूषण िनयं;ण बोड - पदेन सद(य; िनदेशक, भारतीय +िण सवTण या वैािनक एफ - पदेन सद(य; िनदेशक, भारतीय वन(पित सवTण या वैािनक एफ - पदेन सद(य; िनदेशक, अंतरT अनु+युि कB, अहमदाबाद या वैािनक एफ - पदेन सद(य; सद(य के? ीय जल आयोग - पदेन सद(य; सलाहकार, नीत आयोग - पदेन सद(य; राद य सरकार या संघ राद य Tे; +शासन के तीन +ित्तिनिध, चानुम आधार पर, + येक दो वष के कायकाल के िलए; से + येक का एक-एक िवशेषा; और आभूम से संबंधित काय करने वाले िनदेशक/ अपर िनदेशक/संयुc त िनदेशक, पयावरण, वन और जलवायु परवतन मं;ालय - सद(य सिचव। आभूमय3 के संरTण तथा बि/म तापूण उपयोग के िलए समिचत नीतय3 और कारवाई स ब? धीकायम3 के िवषय मB कB ीय सरकार को सलाह देना; आभूमय3 के एक*कृत +बंधन के िलए बि/म तापूण उपयोग के िस/ा? त पर आधारत मानदंड और मागदशक िस/ांत तैयार करना; +िधकरण Lारा इन िनयम3 के या? वयन क* िनगरानी करना; िनयम 4 के उप िनयम (2) मB यथिनदृढG ट +ित्तिषिधत याकलाप3 के िलए राद य सरकार3 या संघराद य Tे; +शासन3 से +om त पुनरीTत +(ताव3 के संबंध मB के? ीय सरकार को सलाह देना; रामसर अभिसमय के अधीन अंतराG eीय मह व क* आभूमय3 को अभिहत कये जाने क* िसफारश करना; अधिसूचत कये जाने के िलए सीमापार आभूमय3 क* िसफारश करना; रामसर (थल3 और सीमापार आभूमय3 के एक*कृत +बंध क* +गित का पुनःवलोकन करना; आभूमय3 से संबंधित मुs3 पर अंतराG eीय अभिकरण3 के सम? वय के संबंध मB सलाह देना; और कसी अ? य मामले पर (व+ेरणा से सलाह देना या कBीय सरकार को िनदृढG ट करना।

¹Hkkx Iµ[k.M 3(i)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 7

(4)

(क) (ख) (ग) (घ) (ङ.) (च) (छ) (4) (5) 7. राद य Tे; +शासन का स ब/ िवभाग इन िनयम3 के +काशन क* तारीख से एक वष क* अविध के भीतर अधिसूचत कये जाने हेतु अभिात + येक आभूम के िलए एक संTm त द(तावेज तैयार करेगा, िजसमB िन निलिखत का उपबंध होगा:—

(2) (3)

(5)

ecosystems which support rich biodiversity and provide a wide range of ecosystem services such as water storage, water

purification, flood mitigation, erosion control, aquifer recharge, microclimate regulation, aesthetic enhancement of
निर्देशांक सहित यथाथि डिजिटल मानचित्र; द्वारा समर्थित और जमीनी स्यापन द्वारा विधिमार्ग? यह अभूम का
सीमांकन; इसके भावों; का सीमांकन और डिजिटल मानचित्र; मंत्र संकितत उसका भूमि उपयोग और आस्र छद्दत भूमि
ों; पारिस्थितिक-वर्णन का विवरण; पूर्वतः विद्यमान अधिकार तथा विशेषाधिकार का लेखा; अभूम तथा इसके भावों
ों; के भीतर अनुमति (थल-विशुद्धता याकलाप कसूची; अभूम और उसके भावों; के भीतर विनियमित कये जाने
वाले (थल-विशुद्धता याकलाप कसूची; और विनियम के वतन कसूची; शिथिलीकरण, संविमति तद(तावेज के आधार
पर, अभूमय को अधिसूचित कये जाने के लिए रात य सरकार या संघ रात यों; शासन को सिफारश करेगा। रात य
सरकार या संघ रात यों; शासन संबंधित और भावत आ यिबय से ंमति आतेप, यद कोई ह, पर विचार करने के
पचात् शिथिलीकरण द्वारा कसूची सिफारश कसूची तारीख से दो सौ चालीस दन से अनिधक कसूची अविध के भीतर राजप; मंत्र
अभूमय को अधिसूचित करेगी। (क) सूचीब/सूचना दी गई हो, को तैयार करने मंत्र संब/रात य सरकार और संघ रात यों;
शासन के साथ समय करेगी। (ख) के?ीय सरकार को सिफारश करेगी। (ग) सिमित द्वारा कसूची सिफारश कसूची
तारीख से दो सौ चालीस दन से अनिधक कसूची अविध के भीतर अभूमय को राजप; मंत्र अधिसूचित करेगी। (क) (ख) मंत्र, सभी
संबंधित सूचना अपलोड करेगी। सिमित के गैर-सरकारी सद(य को कायकाल तीन वष से अनिधक का नहव होगा। सिमित +
येक छह मास मंत्र कम से कम एक बार बैठक करेगी।

G.S.R. 1203(E).—Whereas the wetlands, vital parts of the hydrological cycle, are highly productive के?ीय
सरकार सीमा-पार अभूमय के मामले मंत्र, संविमति तद(तावेज, जिंसमंत्र उपनियम (1) मंत्र यथा संविमति तद(तावेज के
आधार पर, रागैीय अभूम सिमित अभूम को अधिसूचित कये जाने के लिए के?ीय सरकार संब/और भावत आ यिबय
से ंमति आतेप, यद कोई ह, पर विचार करने के पचात् कभीीय सरकार, रात य सरकार और संघ रात यों; शासन
अपनी अधिकारता मंत्र कसूची अभूमय के विषय [फा. सं. जे-22012/78/2003-सीएस(डम यू) पाट.V] डॉ. ए. दुरैसामी,
वैािनक 'जी'

landscapes while simultaneously supporting many significant recreational, social and cultural activities, being part
of

our rich cultural heritage;

And whereas many wetlands are threatened by reclamation and degradation through drainage and landfill,
pollution (discharge of domestic and industrial effluents, disposal of solid wastes), hydrological alteration (water
withdrawal and changes in inflow and outflow), over-exploitation of their natural resources resulting in loss of
biodiversity and disruption in ecosystem services provided by wetlands;

And whereas clause (g) of article 51A of the Constitution stipulates that it shall be the duty of every citizen of India
to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers and wildlife and to have compassion
for living creatures;

And whereas the Environment (Protection) Act, 1986 is a comprehensive legislation to provide protection and
improvement of the environment, including *inter-alia*, wetlands, and for matters connected therewith;

And whereas the National Environment Policy, 2006 recognises the ecosystem services provided by wetlands and
emphasizes the need to set up a regulatory mechanism for all wetlands so as to maintain their ecological character,
and ultimately support their integrated management;

And whereas India is a signatory to the Ramsar Convention on Wetlands and is committed to conservation and wise
use of all wetlands within its territory;

And whereas the Central Government has published the Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2010, vide number G.S.R. 951(E), dated the 4th December, 2010;

And whereas conservation and wise use of wetlands can provide substantial direct and indirect economic benefits to state and national economy, and thereby the Central Government stands committed to mainstreaming full range of wetland biodiversity and ecosystem services in development planning and decision making for various sectors;

And whereas the State Governments and Union Territory Administrations need to take into account wetland ecosystem services and biodiversity values likewise within their developmental programming and economic well-being, also taking into cognizance that land and water, two major ecological constituents of wetland ecosystems, are enlisted as State subjects as per the Constitution;

And whereas the Central Government considered it necessary to supersede the Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2010 for effective conservation and management of wetlands in the country;

And whereas the Central Government had, in exercise of the powers conferred by section 25, read with sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, published the draft Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2016, vide number G.S.R. 385 (E) dated 31st March, 2016 for information of the public likely to be affected thereby; and notice was given that the said draft rules would be taken into consideration by the Central Government after expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette notification is made available to the public;

And whereas the Central Government has received the suggestions and objections from the State Governments, Union Territories and its organisations, individuals and civil society organisations on the draft Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2016;

And whereas the suggestions and objections received in response to the above mentioned draft rules have been duly considered by the Central Government in consultation with State Governments and Union Territory Administrations.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 25, read with sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 and section 23 of the Environment (Protection) Act, 1986 and in supersession of the Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2010, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules for conservation and management of wetlands, namely:—

1. Short title and commencement.—

(1) These rules may be called the Wetlands (Conservation and Management) Rules, 2017.

2. Definitions.—

(1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Environment (Protection) Act, 1986;

(b) "Authority" means the State Wetlands Authority or Union Territory Wetlands Authority, as the case may be;

¹Hkkx Iµ[k.M 3(i)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 9

(c) "Committee" means the National Wetlands Committee referred to in rule 6;

(d) "ecological character" means the sum of ecosystem components, processes and services that characterise the wetlands;

(e) "integrated management plan" means a document which describes strategies and actions for achieving wise use of the wetland and the plan shall include objectives of site management; management actions required to achieve the objectives; factors that affect, or may affect, the various site features; monitoring requirements for detecting changes in ecological character and for measuring the effectiveness of management; and resources for management implementation;

(f) "Ramsar Convention" means the Convention on Wetlands signed at Ramsar, Iran in 1971;

(g) "wetland" means an area of marsh, fen, peatland or water; whether natural or artificial, permanent or temporary, with water that is static or flowing, fresh, brackish or salt, including areas of marine water the depth of which at low tide does not exceed six meters, but does not include river channels, paddy fields, human-made water bodies/tanks specifically constructed for drinking water purposes and structures specifically constructed for aquaculture, salt production, recreation and irrigation purposes;

(h) "wetlands complexes" means two or more ecologically and hydrologically contiguous wetlands and may include their connecting channels/ducts;

(i) "wise use of wetlands" means maintenance of their ecological character, achieved through implementation of ecosystem approach within the context of sustainable development;

(j) "zone of influence" means that part of the catchment area of the wetland or wetland complex, developmental activities in which induce adverse changes in ecosystem structure, and ecosystem services.

(2) The words and expressions used in these rules and not defined, but defined in the Act, shall have the meanings assigned to them in the Act.

3. Applicability of rules.—These rules shall apply to the following wetlands or wetlands complexes, namely:—

(a) wetlands categorised as 'wetlands of international importance' under the Ramsar Convention;

(b) wetlands as notified by the Central Government, State Government and Union Territory Administration:

Provided that these rules shall not apply to the wetlands falling in areas covered under the Indian Forest Act, 1927, the Wild Life (Protection) Act, 1972, the Forest (Conservation) Act, 1980, the State Forest Acts, and the Coastal Regulation Zone Notification, 2011 as amended from time to time.

4. Restrictions of activities in wetlands.—(1) The wetlands shall be conserved and managed in accordance with the principle of 'wise use' as determined by the Wetlands Authority.

(2) The following activities shall be prohibited within the wetlands, namely,-

(i) conversion for non-wetland uses including encroachment of any kind;

(ii) setting up of any industry and expansion of existing industries;

(iii) manufacture or handling or storage or disposal of construction and demolition waste covered under the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016; hazardous substances covered under the Manufacture, Storage and Import of Hazardous Chemical Rules, 1989 or the Rules for Manufacture, Use, Import, Export and Storage of Hazardous Micro-organisms Genetically engineered organisms or cells, 1989 or the Hazardous Wastes (Management, Handling and Transboundary Movement) Rules, 2008; electronic waste covered under the E-Waste (Management) Rules, 2016;

(iv) solid waste dumping;

(v) discharge of untreated wastes and effluents from industries, cities, towns, villages and other human settlements;

(vi) any construction of a permanent nature except for boat jetties within fifty metres from the mean high flood level observed in the past ten years calculated from the date of commencement of these rules; and,

(vii) poaching.

Provided that the Central Government may consider proposals from the State Government or Union Territory Administration for omitting any of the activities on the recommendation of the Authority.

5. Wetlands Authorities.—(1) The Central Government hereby constitutes the State Wetlands Authority in each State with the following members, namely:—

(i) Minister In-charge of the Department of Environment/Forests of the State Government or Minister In-charge of the Department handling wetlands - Chairperson;

(ii) Chief Secretary of the State or Additional Chief Secretary equivalent - Vice Chairperson;

(iii) Secretary in-charge of the Department of Environment - Member *ex-officio*;

(iv) Secretary in-charge of the Department of Forests - Member *ex-officio*;

(v) Secretary in-charge of the Department of Urban Development - Member *ex-officio*;

(vi) Secretary in-charge of the Department of Rural Development - Member *ex-officio*;

(vii) Secretary in-charge of the Department of Water Resources - Member *ex-officio*;

(viii) Secretary in-charge of the Department of Fisheries - Member *ex-officio*;

(ix) Secretary in-charge of the Department of Irrigation and Flood Control - Member *ex-officio*;

(x) Secretary in-charge of the Department of Tourism - Member *ex-officio*;

(xi) Secretary in-charge of the Department of Revenue - Member *ex-officio*;

(xii) Director, State Remote Sensing Centre - Member *ex-officio*;

(xiii) Chief Wildlife Warden - Member *ex-officio*;

(xiv) Member Secretary, State Biodiversity Board - Member *ex-officio*;

(xv) Member Secretary, State Pollution Control Board - Member *ex-officio*;

(xvi) Additional Principal Chief Conservator of Forests of the Regional Office of Ministry of Environment, Forest and Climate Change - Member *ex-officio*;

(xvii) One expert each in the fields of wetland ecology, hydrology, fisheries, landscape planning and socio-economics to be nominated by the State Government; and

(xviii) Additional Secretary/Joint Secretary/Director in the Department of Environment/Forests or Department handling wetlands - Member Secretary.

(2) The Central Government hereby constitutes the Union Territory Wetlands Authority for each Union Territory with the following members, namely:—

(i) Administrator or Chief Secretary of the Union Territory - Chairperson;

- (ii) Secretary in-charge of the Department of Environment - Vice Chairperson;
- (iii) Secretary in-charge of the Department of Forests - Member *ex-officio*;
- (iv) Secretary in-charge of the Department of Urban Development - Member *ex-officio*;
- (v) Secretary in-charge of the Department of Rural Development - Member *ex-officio*;
- (vi) Secretary in-charge of the Department of Water Resources - Member *ex-officio*;
- (vii) Secretary in-charge of the Department of Fisheries - Member *ex-officio*;
- (viii) Secretary in-charge of the Department of Irrigation and Flood Control - Member *ex-officio*;
- (ix) Secretary in-charge of the Department of Tourism - Member *ex-officio*;
- (x) Secretary in-charge of the Departments of Revenue - Member *ex-officio*;
- (xi) Director, Remote Sensing Centre - Member *ex-officio*;
- (xii) Member Secretary, Union Territory Pollution Control Committee - Member *ex-officio*;
- 1Hkxkx IIµ[k.M 3(i)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 11
- (xiii) Member Secretary, Biodiversity Board of the UT - Member *ex-officio*;
- (xiv) Chief Wildlife Warden - Member *ex-officio*;
- (xv) Additional Principal Chief Conservator of Forests of the Regional Office of Ministry of Environment, Forest and Climate Change- Member *ex-officio*;
- (xvi) One expert each in the fields of wetland ecology, hydrology, fisheries, landscape planning and socio-economics to be nominated by the Union Territory Administration; and
- (xvii) Additional Secretary/Joint Secretary/Director in the Department of Environment/Forests or Department handling wetlands - Member Secretary.

(3) The State Wetlands Authority or Union Territory Wetlands Authority may co-opt other members, not exceeding three in number, if required.

(4) The State Wetlands Authority or Union Territory Wetlands Authority shall exercise the following powers and perform the following functions, namely:-

- (a) prepare a list of all wetlands of the State or Union Territory within three months from the date of publication of these rules;
- (b) prepare a list of wetlands to be notified, within six months from the date of publication of these rules; taking into cognizance any existing list of wetlands prepared/notified under other relevant State Acts;
- (c) recommend identified wetlands, based on their Brief Documents, for regulation under these rules;
- (d) prepare a comprehensive digital inventory of all wetlands within a period of one year from the date of publication of these rules and upload the same on a dedicated web portal to be developed by the Central Government for the said purpose; the inventory to be updated every ten years;

- (e) develop a comprehensive list of activities to be regulated and permitted within the notified wetlands and their zone of influence;
 - (f) recommend additions, if any, to the list of prohibited activities for specific wetlands;
 - (g) define strategies for conservation and wise use of wetlands within their jurisdiction; wise use being a principle for managing these ecosystems which incorporates sustainable uses (such as capture fisheries at subsistence level or harvest of aquatic plants) as being compatible with conservation, if ecosystem functions (such as water storage, groundwater recharge, flood buffering) and values (such as recreation and cultural) are maintained or enhanced;
 - (h) review integrated management plan for each of the notified wetlands (including trans-boundary wetlands in coordination with Central Government), and within these plans consider continuation and support to traditional uses of wetlands which are harmonized with ecological character;
 - (i) in cases wherein lands within boundary of notified wetlands or wetlands complex have private tenancy rights, recommend mechanisms for maintenance of ecological character through promotional activities;
 - (j) identify mechanisms for convergence of implementation of the management plan with the existing State/Union Territory level development plans and programmes;
 - (k) ensure enforcement of these rules and other relevant Acts, rules and regulations and on half-yearly basis (June and December of each calendar year) inform the concerned State Government or Union Territory Administration or Central Government on the status of such notified wetlands through a reporting mechanism;
 - (l) coordinate implementation of integrated management plans based on wise use principle through various line departments and other concerned agencies;
 - (m) function as nodal authority for all wetland specific authorities within the State or Union Territory Administration;
 - (n) issue necessary directions for conservation and sustainable management of wetlands to the respective implementing agencies;
 - (o) undertake measures for enhancing awareness within stakeholders and local communities on values and functions of wetlands; and
 - (p) Advise on any other matter *suo-motu*, or as referred by the State Government/Union Territory Administration.
- (5) The concerned Department of the State Government or Union Territory shall provide all necessary support and act as nodal Department and Secretariat to the Authority.

(6) The Authority shall, within ninety days of publication of these rules, shall constitute,—

(a) a technical committee to review brief documents, management plans and advise on any technical matter referred by the Wetland Authority; and

(b) a grievance committee consisting of four members to provide a mechanism for hearing and forwarding the grievances raised by public to the Authority;

(7) The Committees referred to in sub-rule (6) shall meet at least once in every quarter to perform their functions.

(8) The Authority shall meet at least thrice in a year.

(9) The term of non-official members of the Authority nominated by State Government or Union Territory Administration, shall be for a period not exceeding three years.

6. Constitution of National Wetlands Committee.—(1) The Central Government, hereby constitutes the National Wetlands Committee with the following members, namely:—

(i) Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India - Chairperson;

(ii) Special Secretary or Additional Secretary dealing with wetlands, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India-Vice Chairperson;

(iii) Additional Director General, Wildlife, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India - Member *ex-officio*;

(iv) Adviser or Joint Secretary dealing with wetlands, Ministry of Environment, Forest and Climate Change - Member *ex-officio*;

(v) Joint Secretary, Ministry of Tourism, Government of India- Member *ex-officio*;

(vi) Joint Secretary , Ministry of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation, Government of India- Member *ex-officio*;

(vii) Joint Secretary, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India- Member *ex-officio*;

(viii) Joint Secretary, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India- Member *ex-officio*;

(ix) Joint Secretary, Ministry of Urban Development, Government of India- Member *ex-officio*;

(x) Joint Secretary, Ministry of Rural Development, Government of India- Member *ex-officio*;

(xi) The Chairman, Central Pollution Control Board - Member *ex-officio*;

(xii) Director, Zoological Survey of India or Scientist F- Member *ex-officio*;

(xiii) Director, Botanical Survey of India or Scientist F- Member *ex-officio*;

(xiv) Director, Space Application Centre, Ahmedabad or Scientist F- Member *ex-officio*;

(xv) Member, Central Water Commission - Member *ex-officio*;

(xvi) Adviser, Niti Aayog - Member *ex-officio*;

(xvii) Three representatives of State Government or Union Territory Administration on a rotational basis for a tenure of two years each;

(xviii) One expert each in the fields of wetland ecology, hydrology, fisheries, landscape planning & socio-economics; and

¹Hkkx IIµ[k.M 3(i)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 13

(xix) Director/Additional Director/Joint Director dealing with wetlands, Ministry of Environment, Forest and Climate Change - Member Secretary.

(2) The National Wetlands Committee may co-opt other members, not exceeding three in number, if required.

(3) The National Wetlands Committee shall perform the following functions, namely:-

(a) advise the Central Government on appropriate policies and action programmes for conservation and wise use of wetlands;

(b) evolve norms and guidelines for integrated management of wetlands based on wise use principle;

(c) monitor implementation of these rules by the Authority;

(d) advise the Central Government on proposals received from State Governments or Union Territory Administrations for omission of the prohibited activities as referred in sub-rule (2) of rule 4;

(e) recommend designation of wetlands of international importance under Ramsar Convention;

(f) recommend trans-boundary wetlands for notification;

(g) review progress of integrated management of Ramsar sites and transboundary wetlands;

(h) advise on collaboration with international agencies on issues related to wetlands; and

(i) advise on any other matter *suo-moto*, or as referred by the Central Government.

(4) The tenure of non-official members of the Committee shall not exceed three years.

(5) The Committee shall meet at least once in every six months.

7. Delegation of powers and functions to the State Governments and Union Territory Administrations.—

(1) The concerned Department of the State Government or Union Territory Administration shall, within a period of one year from the date of publication of these rules, prepare a Brief Document for each of the wetland identified for notification, providing:—

(a) demarcation of wetland boundary supported by accurate digital maps with coordinates and validated by ground truthing;

(b) demarcation of its zone of influence and land use and land cover thereof indicated in a digital map;

(c)ecological character description;

(d)account of pre-existing rights and privileges;

(e)list of site-specific activities to be permitted within the wetland and its zone of influence;

(f)list of site specific activities to be regulated within the wetland and its zone of influence; and

(g)modalities for enforcement of regulation;

(2)Based on the Brief Document, the Authority shall make recommendations to the State Government or Union Territory Administration for notifying the wetlands.

(3)The State Government or Union Territory Administration shall, after considering the objections, if any, from 240 days from the date of recommendation by the Authority.

(4)(a) In case of trans-boundary wetlands, the Central Government shall coordinate with concerned State Governments and Union Territory Administrations to prepare the Brief Document containing information as listed in sub-rule (1).

(b) Based on the Brief Document, the National Wetlands Committee shall make recommendations to the Central Government for notification of the wetland.

(c) The Central Government shall, after considering the objections, if any, from the concerned and affected recommendation by the Committee.

(5)(a) The Central Government shall create a dedicated web portal for information relating to wetlands.

(b) The Central Government, State Government and Union Territory Administration shall upload all relevant information and documents pertaining to wetlands in their jurisdiction.

[F. No. J-22012/78/2003-CS (W) Pt. V]

Dr. A. DURAISAMY, Scientist 'G'

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064

and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. ALOK Digitally signed by

ALOK KUMAR

KUMAR Date: 2017.09.26

22:25:31 +05'30'